भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 403
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में हवाई संपर्क सुविधा को सुदृढ़ बनाना

***403. श्री लुम्बाराम चौधरी:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में हवाई संपर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए उड़ान योजना के अंतर्गत कितने नए विमानपत्तन स्वीकृत किए गए हैं;

(ख) सरकार द्वारा राजस्थान के सिरोही जिले में हवाई संपर्क सुविधा की कमी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) क्या सिरोही जिले में मानपुर हवाई पट्टी को सरकार ने अपने अधीन ले लिया है/अधिग्रहित कर लिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वहाँ से विमान सेवाएँ शुरू करने में विलंब के क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री)श्री किंजरापु राममोहन नायडू(

)क(से)ग(: विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"राजस्थान में हवाई संपर्क सुविधा को सुदृढ़ बनाना" के संबंध में श्री लुम्बाराम चौधरी द्वारा पूछे गए दिनांक *21* अगस्त, 2025 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 403 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) : क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के अंतर्गत, राजस्थान में बीकानेर, किशनगढ़ और जैसलमेर हवाईअड्डों को कार्यशील किया गया है। इसके अलावा, राजस्थान राज्य में उत्तरलाई और श्रीगंगानगर हवाईअड्डों की विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए पहचान की गई है।

(ख) और (ग) : आरसीएस-उड़ान एक चल रही बाजार आधारित योजना है, जिसके अंतर्गत असेवित और अल्पसेवित हवाईपट्टियों तक संपर्क बढ़ाने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है। एयरलाइनें किसी विशेष मार्ग पर मांग के आकलन के आधार पर बोली प्रक्रिया के दौरान प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। हवाईअड्डों के तैयार होने के उपरांत योजना के अंतर्गत मार्गों को कार्यशील किए जाने हेतु वैध बोलियाँ अवार्ड की जाती हैं।

राजस्थान के सिरोही जिले में राज्य सरकार के स्वामित्व वाली मानपुर हवाईपट्टी उड़ान योजना दस्तावेज़ में असेवित हवाईपट्टियों की सूची में उपलब्ध है। हालाँकि, अब तक आयोजित पाँच चरण की बोली प्रक्रिया के पूरा होने तक, मानपुर हवाईपट्टी को जोड़ने वाला कोई भी मार्ग, आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए किसी भी एयरलाइन को अवार्ड नहीं किया गया है।

******